This question paper contains 7 printed pages]

2381-P

II Year Arts EXAMINATION, 2018

HINDI LITERATURE

Paper I

(काव्य)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

खण्ड 'अ' [Marks : **20**]

*सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **50** शब्दों से अधिक न हो । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

खण्ड 'ब' [Marks : **50**]

*प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **250** शब्दों से अधिक न हो । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

खण्ड 'स' [Marks : **30**]

*कोई **दो** प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **300** शब्दों से अधिक न हो । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

P.T.O.

खण्ड 'अ'

1. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं :

इकाई I

(*i*) ..... के काव्य में भाव-सौंदर्य अलंकारों के बोझ से दब गया था। (रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)

(*ii*) मतिराम की प्रसिद्धि के **दो** प्रमुख आधार ग्रंथ कौनसे हैं।

इकाई II

(*iii*) सेनापति किस भाषा के सिद्ध कवि थे ?

(*iv*) पद्माकर द्वारा रचित किन्हीं **दो** ग्रंथों के नाम लिखिए।

इकाई III

(*v*) 'इंद्र जिमि जंभ पर, वाडव सुअंब पर, रावण सदंभ पर रघुकुल राज है।' इस प्रसिद्ध काव्य-पंक्ति के रचनाकार कौन हैं ?

(*vi*) 'सुजान सागर' और 'विरह लीला' जैसे प्रसिद्ध ग्रंथों के रचनाकार कौन हैं ?

इकाई IV

(*vii*) कवि देव की किन्हीं **दो** रचनाओं के नाम लिखिए।

(*viii*) 'कनक-कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय' यहाँ 'कनक' शब्द किन **दो** अर्थों में आया है ?

इकाई V

(*ix*) 'काव्य गुण' किसे कहते हैं ?

(*x*) 'रस' से क्या आशय है ?

खण्ड 'ब'

इकाई I

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

सिंधु तर्‌यो उनके बनरा, तुम पै धनुरेख गई न तरी।

बाँधोई बाँधत सो न बंन्यो, उत बारिधि बाँधि कै बाट करी॥

श्री रघुनाथ-प्रताप की बात तुम्हैं दसकंठ न जानि परी।

तेलनि तूलनि पूँछ जरी न जरी, जरी लंक जराई जरी॥

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

राम को दास कहावै सब जग दोस हू राबरो दास निनारौ।

भारी भरोसौ हिऐं सब ऊपर ह्वै है मनोरथ सिद्ध हयारौ॥

राम अदबन के कुछ घाले भलै, भयौ भौ देबन को रखवारौ।

दारिद धालिजौ दीनन पालिबौ, राम के नाम है काम तिहारौ॥

इकाई II

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

देखैं छिति अम्बर जलै हैं चारि ओर छोर,

तिन तरबर सब ही कौं रूप हर्‌यो है।

महा झर लागै जोति भादव की होति चलै,

जलद पवन तन सेक मानौ पर्‌यो है।

दारुन तरनि तरैं नदी सुख पावैं सब,

सीरी धन छाँह चाहिबौई चित धर्‌यौ है।

देखौं चतुराई सेनापति कविताई की जु,

ग्रीष्म विषम बरसा की सम कर्‌यो है॥

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

कूलन में केलि में कछारन में कुंजन में,

क्यारिन में कलिन कलीन किलकंत है।

कहै 'पद्माकर' परागन में पौनहू में,

पानन में पिक में पलासन पगंत है।

द्वार में दिशान में दुनी में देश-देशन में,

देखो दीप दीपन में दीपत दिगंत है।

बीथिन में ब्रज में नबेलिन में बेलिन में,

वनन में बागन में बगर्‌यौ बसंत है॥

इकाई III

6. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

कामिनी कंत सों, जामिनी चंद सों, दामिनी पावस-मेघ-घटा सों।

कीरति दाने सों, सुरति ज्ञान सों, प्रीति बड़ी सनमान महा-सों॥

'भूषन' भूषन सों तरुनी, नलिनी नव पूषन देव-प्रभा सों।

जाहिर-चारिहु ओर जहान लसै हिन्दुवान खुमान सिवासों॥

7. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

भए अति निठुर, मिटाए पहिचानी डारी,

याही दुख हमैं जक लागी हाय हाय है।

तुम तौ निपट निरदई, गई भूल सुधि,

हमैं सूल सेलनि सो क्यौं हूँ न भुलाय है।

मीठे मीठे बोल बोलि, ठगी पहिलें तौ तब,

अब जिय जारत कहौ धौं कौन न्याय है।

सुनी है कै नाहीं, यह प्रकट कहावति जू,

काहू कलपाय है सु कैसे कल पाय है॥

इकाई IV

8. "देव की कविता में प्रेम के दाम्पत्य संबंधी आदर्श को अत्यंत मधुर रूप में अभिव्यक्ति मिली है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

9. "बिहारी का भाषा पर असाधारण अधिकार था।" इस कथन के आलोक में बिहारी की काव्य भाषा का वैशिष्ट्य वर्णित कीजिए।

इकाई V

10. रीतिबद्ध काव्यधारा के कवियों का वर्णन कीजिए।

11. काव्यदोष का अर्थ स्पष्ट करते हुए किन्हीं दो काव्यदोषों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

खण्ड 'स'

इकाई I

12. "शृंगार व राज प्रशस्ति मतिराम के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ हैं।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

इकाई II

13. सेनापति के काव्य में वर्णित ऋतु वर्णन का वैशिष्ट्य वर्णित कीजिए।

इकाई III

14. घनानंद के काव्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

इकाई IV

15. कवि देव के व्यक्तित्व व कृतित्व का वर्णन कीजिए।

इकाई V

16. शृंगार, शांत और करुण रसों के लक्षण व उदाहरण लिखिए।